Dr. M. K. Jha.
Dept of Sociology
V.S.J. college
Rajnagar.

B.A. part-1
paper-11
Social Thinker

Question. प्रत्यक्षवाद क्या है? अगस्त कॉम्ट के प्रत्यक्षवादी चिन्तन की आलोचनात्मक व्याख्या करें।

Ans- सामाजिक विचारधारा में अगस्त कॉम्ट का प्रत्यक्षवाद का सिद्धान्त सदैव महत्वपूर्ण रहा है। अगस्त कॉम्ट द्वारा प्रस्तुत प्रत्यक्षवाद कोई नियम न होकर एक अध्ययन की एक प्रणाली है जिसकी सहायता से कॉम्ट सामाजिक घटनाओं का अध्ययन वैज्ञानिक रूप में करना चाहते हैं तथा समाजशास्त्र को एक नये विज्ञान का दर्जा दिलाना चाहते हैं। इसलिए J.H. Turner ने कहा है कि कॉम्ट का प्रत्यक्षवाद समाजशास्त्र को एक वैज्ञानिक पद्धति के उपयोग पर बल देता है।

फ्रान्सीसी परम्परा में Positive शब्द का प्रयोग एक ऐसे दृष्टिकोण के लिए किया जाता है जो रचनात्मक, निष्पक्ष, अथवा यथार्थ अवलोकन पर आधारित हो। कॉम्ट ने यह स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक विज्ञानों का विकास निरीक्षण, परीक्षण तथा वर्गीकरण के आधार पर अध्ययन के कारण हुआ है अतएव सामाजिक घटनाओं का अध्ययन भी अवलोकन, परीक्षण और वर्गीकरण के आधार पर किया जाए जिससे घटनाओं के पारस्परिक सम्बन्धों और उन्हें नियमित करने वाले नियमों को समझा जा सकता है इसे कॉम्ट प्रत्यक्षवाद का दृष्टिकोण मानते हैं।

Scanned with Cam

अतः हम यह कह जा सकता है कि प्रत्यक्षवाद एक आगमन प्रणाली है जिसमें सामाजिक घटनाओं का अध्ययन निरीक्षण, परीक्षण तथा वर्गीकरण के पर आधारित वैज्ञानिक विधियों द्वारा किया जाता है और उससे नवीन ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

Raymond Aron ने लिखा है "प्रत्यक्षवाद का सम्बन्ध घटनाओं के अवलोकन, उनके विश्लेषण तथा उन घटनाओं के बीच पाये जाने सम्बन्धों को नियमित करने वाले नियमों की खोज करने से है।" अर्थात प्रत्यक्षवाद का तात्पर्य एक ऐसी पद्धति से है जो वैज्ञानिक ढंग से सामाजिक घटनाओं का अध्ययन करने पर बल देती है।

प्रत्यक्षवाद की मान्यताएँ अथवा विशेषताएँ- कॉम्ट के अनुसार प्रत्यक्षवाद एक विशेष पद्धति है जिसकी मौलिक मान्यताएँ अथवा विशेषताएँ निम्न हैं।-

1. निश्चित सामाजिक नियम -
प्रत्यक्षवाद का प्रथम प्रमुख मान्यता यह है कि जिस प्रकार प्राकृतिक घटनाएँ आकस्मिक नहीं होती है बल्कि कुछ निश्चित नियमों के अनुसार घटित होती है उसी प्रकार सामाजिक घटनाएं भी कुछ नियमों के द्वारा संचालित होती है। जैसे सूर्य का उदय और अस्त होना, ऋतुओं का आना-जाना, दिन-रात का चक्र इत्यादि प्राकृतिक घटनाओं का एक निश्चित क्रम है उसी प्रकार सामाजिक घटनाएं एक क्रम और गति से सम्बन्धित रहता है। प्रत्यक्षवाद एक पद्धति है जो सामाजिक घटनाओं के कारण एवं नियमों को खोजती है।

2. यथार्थ ज्ञान पर आधारित :- प्रत्यक्षवाद यथार्थ ज्ञान पर आधारित है। प्रत्यक्षवाद किसी संयोग अथवा अनुमान पर आधारित नहीं है बल्कि अवलोकन, परीक्षण, एवं वैज्ञानिक विशुद्ध ज्ञान पर आधारित है। Rollin chambliss ने कहा है कि प्रत्यक्षवाद काल्पनिक की जगह वास्तविकता पर आधारित है। अर्थात अनुभूति और परीक्षण पर यथार्थ ज्ञान को प्रकाशित करता है।

3. अध्ययन की एक वैज्ञानिक प्रणाली - प्रत्यक्षवाद वह दशा है जिसमें सामाजिक घटनाओं का अध्ययन अवलोकन द्वारा किया जाता है जिसमें तथ्यों का परीक्षण किया जाता है। वर्गीकरण के आधार पर तथ्यों की समानता एवं असमानता ओं पर विश्लेषण किया जाता है। जिसमें घटना का सह-सम्बन्ध समझने का अवसर मिलता है।

4. तार्किकता पर बल :- तार्किक क्षमता विज्ञान की एक आवश्यक विशेषता है प्रत्यक्षवादी स्तर पर मानव की बौद्धिक क्षमता विकसित होती है जो घटनाओं के कारण और परिणाम का तर्कपूर्ण एवं वास्तविक विचार प्रस्तुत करने में सक्षमता देती है।

5. धर्म और विज्ञान का समन्वय :- प्रत्यक्षवादी का उद्देश्य मानव समाज का भौतिक, बौद्धिक तथा नैतिक विकास होना चाहिए। साथ ही मानवतावादी धर्म द्वारा जन-कल्याण करना चाहिए ऐसा विचार कॉम्टे ने दिया है।

6. सामाजिक पुनर्निर्माण का साधन :- कॉम्ट का प्रत्यक्षवाद उपयोगितावादी विज्ञान है जो मानव कल्याण के लिए सामाजिक पुनर्निर्माण को प्रोत्साहित करने पर बल देते हैं सामान में सद्भावना और परोपकार और परार्थवादी समाज बनाने पर कॉम्ट बल देते हैं।

7. क्रियाशील घटनाओं का अध्ययन :- कॉम्ट के अनुसार प्रत्यक्षवाद द्वारा अज्ञात और अप्रत्यक्ष घटनाओं का अध्ययन नहीं करना चाहिए बल्कि घटना क्रियाशील है उसका अध्ययन करना चाहिए।

कॉम्ट प्रत्यक्षवाद को तीन भागों में विभाजित किए हैं - जैसे,

1. विज्ञानों का दर्शन - कॉम्ट के अनुसार भाग्य के बजाए मनुष्य को सुधार करना एवं परिश्रम पर निर्भर रहना चाहिए। इस दर्शन में गणितशास्त्र, नक्षत्र विभाग, समाजशास्त्र का समावेश है।

2. वैज्ञानिक धर्म और नीतिशास्त्र :- प्रत्यक्षवाद धर्म और नीति में मानव धर्म का महत्व देता है। शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति द्वारा, समाज की सेवा करने का कहता है।

3. प्रत्यक्ष राजनीति - इसका उद्देश्य युद्ध को रोकना और यूरोपियन राज्यों को मिलाकर मित्रराष्ट्र की स्थापना करना है।

आलोचनाएं - प्रत्यक्षवाद का अध्ययन उद्देश्य सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन से है लेकिन कॉम्ट के प्रत्यक्षवादी पद्धति में निम्न विरोधाभास है :-

1. Raymond Aron ने लिखा है अगस्त कॉम्ट एक दार्शनिक समाजशास्त्री हैं क्योंकि अपने प्रत्यक्षवाद सिद्धान्त में धर्म एवं विज्ञान का समन्वय कर प्रत्यक्षवाद को अवैज्ञानिक स्तर में पहुंचा दिया। जो एक कमी है।

2. J.S. Mill के अनुसार कॉम्ट प्रत्यक्षवाद को कल्पनावादी विचारकों में खोकर स्वयं प्रत्यक्षवाद का जन्मदाता होकर सबसे कम प्रत्यक्षवादी बन गए। अर्थात The father of positivism was the least positive of man.

3. कोजर के अनुसार कॉम्ट धीरे-धीरे प्रत्यक्षवादी चिन्तन से हटकर मानवता के धर्म का संस्थापक बनने लगे।

4. प्रत्यक्षवाद को समाजशास्त्रीय सिद्धान्त विकसित करने में कॉम्ट स्वयं अपने विचारों से हट गए।

5. कॉम्ट सामाजिक प्रगति में नैतिक विकास का सहारा लिया, फिर समाजशास्त्र को विज्ञान का दर्जा प्रदान करना चाहते वह उचित नहीं लगता है। फिर भी, समाजशास्त्र को एक पृथक विज्ञान बनाने और वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति के निर्धारण में अगस्त कॉम्ट का योगदान उल्लेखनीय है।

Scanned with Cam